an>

Title: Need to include Dhangar community of Maharashtra in the list of Scheduled Tribes.

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे (मावल): महोदय, महाराष्ट्र राज्य में धनगर समाज जनजाति के लोग आजादी के बाद से आरक्षण के लिए निरंतर संघर्ष करते आ रहे हैं, परन्तु अभी तक उन्हें आरक्षण नहीं मिला है।

भारतीय संविधान के अनुसार अनुसूचित जनजाति की सूची में 36 नम्बर पर ओरेन, धनगड का उल्लेख है। हिंदी भाषा के उच्चारण के अनुसार धनगर और धनगड एक ही शब्द हैं जो एक ही समाज के लिए उल्लेखित हैं। महाराष्ट्र में धनगर समाज है और धनगड नाम की कोई भी जनजाति अस्तित्व में नहीं है। महाराष्ट्र में धनगर समाज की जनसंख्या लगभग 11 प्रतिशत यानी 1.30 लाख लोग महाराष्ट्र में इस समाज के निवास करते हैं। यह समाज पूरी तरह एक संघ है। इतनी बड़ी संख्या में समाज होते हुए भी अशिक्षा और अज्ञानता के कारण इस समाज को आरक्षण नहीं मिला है।

महाराष्ट्र राज्य की यह जनजाति अत्यंत पिछड़ी है और समाज में उचित स्थान एवं पहचान बनाने के लिए वर्षों से संघर्षरत है। महाराष्ट्र सरकार ने इस जाति के लोगों के विकास के लिए कोई योजना नहीं बनाई है। यदि इस पिछड़ी जनजाति को भारत सरकार की ओर से आरक्षण मिल जाता है तो इन लोगों को मुख्यधारा में आने का अवसर मिलेगा और इनका विकास होगा।

अतः सदन के माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि धनगर समाज को आरक्षण देकर इसको अनुसूचित जनजाति की सूची में समावेश किया जाए।